DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

7 September, 2023

चोल मूर्तिकला और वास्तुकला

सन्दर्भ: भारत मंडपम के सामने जहां जी 20 की बैठक होनी है वहां नटराज की मूर्ति रखी गई है।

नटराज के बारे में:

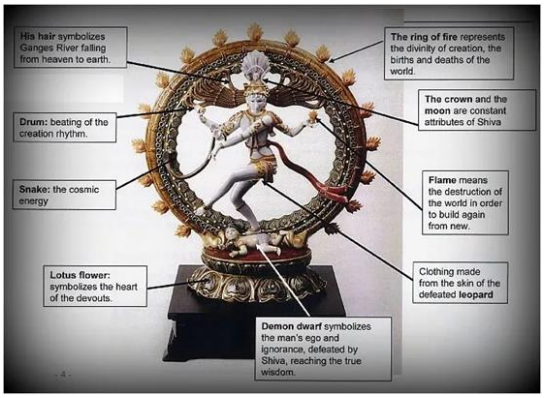

- विश्वविख्यात लौकिक नर्तक नटराज, भगवान शिव के अवतार हैं और विशेष रूप से दक्षिण भारत में शैव मंदिरों में धातु या पत्थर की मूर्तियों के रूप में देखे जाते हैं।
- यह चोल मूर्तिकला का एक विशिष्ट उदाहरण है।
- नटराज के ऊपरी दाहिने हाथ में एक ढोल है जो सृजन की ध्वनि का प्रतीक है, जिससे डमरू की ध्वनि उत्पन्न होती है।
- ऊपरी बाएँ हाथ में शाश्वत अग्नि है, जो विनाश का प्रतिनिधित्व करती है और सृजन का प्रतिरूप है।
- निचला दाहिना हाथ अभय मुद्रा में है, जो आशीर्वाद और भय को दूर करने का प्रतीक है।
- निचला बायां हाथ ऊपर उठे हुए पैर की ओर इशारा करता है, जो मोक्ष का मार्ग दर्शाता है।
- शिव अज्ञान और अहंकार के तुच्छ प्रतीक पर नृत्य करते हैं।
- शिव सभी ब्रह्मांडीय गति के स्रोत का प्रतीक हैं और प्रलय का नृत्य करते हैं, जो ब्रह्मांड के विघटन के दौरान भड़कती अग्नि-लपटों द्वारा दर्शाया जाता है।
- उनके उलझे हुए बाल गंगा नदी के प्रवाह का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- अद्वितीय अलंकरण में एक कान में पुरुष की बाली और दूसरे में महिला की बाली शामिल है, जो पुरुष और महिला पहलुओं के संलयन का प्रतीक है, जिसे अर्धनारीश्वर के रूप में जाना जाता है।

चोल मूर्तियां

- तंजावुर का बृहदेश्वर मंदिर सुंदर ढंग से बनाई गई आकृतियों और नाजुक अलंकरण के साथ परिपक्व चोल मंदिर की मूर्तिकला को प्रदर्शित करता है।
- एक समय चोल कला का व्यापक प्रभाव था, यहाँ तक कि यह जावा और सुमात्रा जैसे स्थानों तक भी पहुँच गया।
- 11वीं शताब्दी के चोल शिल्प कौशल के एक उदाहरण में भगवान शिव को एक हाथी दानव को हराने के बाद भयंकर नृत्य करते हुए दर्शाया गया है।
- 13वीं शताब्दी में, चोल कला का विकास जारी रहा, जिसमें विष्णु की छोटी पत्नी के रूप में पृथ्वी देवी-भूदेवी की मूर्तियां शामिल थीं।

चोल वास्तुकला:

- चोलों ने कई मंदिरों को संरक्षण दिया, जिनमें तंजावुर, गंगईकोंडा चोलपुरम और दारासुरम के शाही मंदिर शामिल थे।
- इन मंदिरों में डांसिंग वुमन, बृहदेश्वरर मंदिर की वास्तुकला, मूर्तिकला, पेंटिंग और चोल कला की प्रतिमाएं आदि शामिल हैं।
- इस समय के मंदिर सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक गतिविधियों के केंद्र बन गये थे ।
- मंदिर में अधिकारी, नर्तक, संगीतकार, गायक और पुजारी शामिल थे, जो शाही दरबार की तरह थे।
- आरंभिक चोल मंदिर वास्तुकला की दृष्टि से सरल थे, जिनमें राजाओं की अंत्येष्टि के लिए कब्रगाह और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए मंदिर बनाए जाते थे।
- तंजावुर में बृहदेश्वर मंदिर 190 फुट के विमान के साथ चोल वास्तुकला का एक अप्रतिम उदाहरण है।
- मंदिर में फ्रेस्को पेंटिंग, लघु मूर्तियां पुराणों और महाकाव्यों के दृश्यों को दर्शाती हैं।
- राजेंद्र प्रथम द्वारा निर्मित गंगईकोंडा चोझापुरम, उनकी उत्तर भारत की जीत को दर्शाता है और इसमें विभिन्न देवताओं की मूर्तियां हैं।
- राजराज द्वितीय द्वारा निर्मित दारासुरम मंदिर, अपने गर्भगृह की दीवार पर पेरियापुराणम की घटनाओं को दर्शाने वाले लघु चित्र प्रदर्शित करता है।

बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली

संदर्भ: हाल ही में कैबिनेट ने बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (BESS) के विकास के उद्देश्य से व्यवहार्यता गैप फंडिंग को मंजूरी दे दी है।

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने "बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (BESS) के विकास के लिए व्यवहार्यता गैप फंडिंग (VGF) योजना को मंजूरी दे दी है।"
- इस योजना का लक्ष्य प्रतिस्पर्धा के माध्यम से 2030-31 तक 4,000 मेगावाट की बीईएसएस परियोजनाएं विकसित करना है।
- यह वीजीएफ के माध्यम से बजटीय सहायता के रूप में पूंजीगत लागत का 40% तक वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- यह योजना वितरण कंपनियों और उपभोक्ताओं के लिए भंडारण लागत को कम करने के लिए बनाई गई है।
- इस योजना के लिए प्रारंभिक परिव्यय रु. 3,760 करोड़ रुपये की बजटीय सहायता के साथ 9,400 करोड़ रुपये है।
- इसका लक्ष्य 5.50-6.60 प्रति किलोवाट भंडारण की एक स्तरीय लागत (LCoS) प्राप्त करना है, जो संग्रहीत नवीकरणीय ऊर्जा को एक व्यवहार्य विकल्प बनाता है।
- वीजीएफ को बीईएसएस परियोजना कार्यान्वयन चरणों से सम्बंधित पांच किश्तों में वितरित किया जाएगा।
- नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण को बढ़ाने और उसकी बर्बादी को कम करने के लिए BESS परियोजना क्षमता का कम से कम 85% वितरण कंपनियों (DISCOM) को उपलब्ध होगा।
- प्रतिस्पर्धा और निवेश को बढ़ावा देने के लिए BESS डेवलपर्स का चयन प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा।
- यह योजना स्वच्छ और हरित ऊर्जा समाधानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

BESS

- इन प्रणालियों को सौर और पवन जैसे नवीकरणीय स्रोतों से उत्पन्न ऊर्जा को संग्रहीत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- बीईएसएस ऊर्जा के कुशल भंडारण और निष्कासन की अनुमति देता है और इसे बिजली की मांग के साथ सहेखित करता है।
- लिथियम-आयन बैटरी बड़े पैमाने पर अनुप्रयोगों के लिए बीईएसएस में उपयोग की जाने वाली एक प्रमुख तकनीक है।
- बीईएसएस बिजली ग्रिड को नवीकरणीय ऊर्जा की विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने और मांग के साथ ऊर्जा आपूर्ति को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

कार्यप्रणाली:

- **नवीकरणीय ऊर्जा का भंडारण**: वे पवन और सौर ऊर्जा जैसे स्रोतों से उत्पन्न ऊर्जा का भंडारण करते हैं।
- **उन्नत सॉफ्टवेयर**: ये उन्नत एल्गोरिदम ऊर्जा उत्पादन का प्रबंधन करते हैं और तय करते हैं कि कब चार्ज और डिस्चार्ज करना है।
- **कम्प्यूटरीकृत नियंत्रण**: मांग और नियंत्रण प्रणालियाँ बिजली ग्रिड की स्थिति के आधार पर निर्णय लेती हैं।
- **उच्च मांग प्रबंधन**: BESS उच्च-मांग अवधि के दौरान संग्रहीत ऊर्जा जारी करता है, जिससे लागत कम हो जाती है।
- **लागत क्षमता**: यह ऊर्जा आपूर्ति को अनुकूलित करता है, महंगी ऊर्जा स्रोतों की आवश्यकता को कम करता है।
- **घरेलू उपयोग**: समान सिद्धांत घरेलू ऊर्जा भंडारण प्रणालियों पर लागू होते हैं, जो नवीकरणीय ऊर्जा के कुशल उपयोग को सक्षम बनाते हैं।

भारत-आसियान संबंध

सन्दर्भ: हाल ही में 20वां आसियान-भारत शिखर सम्मेलन जकार्ता में आयोजित किया जा रहा है।

आर्थिक सहयोग:

- आसियान भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।
- भारत का आसियान के साथ वस्तुओं (2009) और सेवाओं/निवेश (2014) के लिए मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है।
- सीईसीए रियायती व्यापार और बढ़े हुए निवेश को बढ़ावा देता है।
- 2021-22 में वस्तु व्यापार 98.39 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया।
- प्रमुख भागीदार: इंडोनेशिया, सिंगापुर, मलेशिया, वियतनाम, थाईलैंड हैं।

राजनीतिक सहयोग:

- आसियान-भारत केंद्र (एआईसी) अनुसंधान और नेटवर्किंग को बढ़ावा देता है।

वित्तीय सहायता:

- भारत आसियान-भारत सहयोग कोष, एस एंड टी विकास कोष और हरित कोष के माध्यम से सहायता प्रदान करता है।

कनेक्टिविटी:

- परियोजनाओं में भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग और कलादान मल्टीमॉडल परियोजना शामिल हैं।

योजनाएं:

- समुद्री परिवहन समझौता और नई दिल्ली से हनोई रेलवे लिंक।

रक्षा सहयोग:

- भारत और आसियान संयुक्त नौसैनिक और सैन्य अभ्यास करते हैं।
- 2023 के लिए आसियान-भारत समुद्री अभ्यास की योजना बनाई गई।
- 2016 में 'वाटरशेड' सैन्य अभ्यास आयोजित हुआ।
- वियतनाम और सिंगापुर प्रमुख रक्षा भागीदार देश हैं।

आसियान

- आसियान, क्षेत्रीय गठबंधन, आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग पर जोर देता है।
- इसकी स्थापना अगस्त 1967 में बैंकॉक, थाईलैंड में इसके संस्थापक सदस्यों: इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड द्वारा आसियान घोषणा (बैंकॉक घोषणा) पर हस्ताक्षर के माध्यम से की गई थी।
- आसियान की अध्यक्षता उसके सदस्य देशों के अंग्रेजी नामों के वर्णमाला क्रम के अनुसार प्रतिवर्ष बदलती रहती है।
- आसियान सामूहिक रूप से 650 मिलियन लोगों की आबादी और संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रतिनिधित्व करता है।
- **सदस्य:** ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम।
- **मुक्त व्यापार समझौतों:** ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, कोरिया और न्यूजीलैंड के साथ।
- **संवाद (Dialogue) भागीदार**: ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन, यूरोपीय संघ, भारत, जापान, कोरिया गणराज्य, न्यूजीलैंड, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका।
- **प्रेक्षक देश** : पापुआ न्यू गिनी और तिमोर लेस्ते (पूर्वी तिमोर)।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

7 September, 2023

NEWS IN BETWEEN THE LINES

फ़ुज़ियानवेनेटर प्रोडिगियोसस

फ़ुज़ियानवेनेटर प्रोडिगियोसस क्या है?

फ़ुज़ियानवेनेटर प्रोडिगियोसस, पक्षी जैसी विशेषताओं वाला एक डायनासोर है, यह लगभग 148 से 150 मिलियन वर्ष पहले दक्षिण पूर्वी चीन में जुरासिक काल के दौरान अस्तित्व में था।

शारीरिक रचना: इस डायनासोर की कुछ अनूठी विशेषताएं थीं , जैसे लम्बी टांगें, पंख जैसी भुजाएं और कंकाल संबंधी विशेषताओं का संयोजन, जिससे पता चलता है कि यह या तो तेज़ धावक था या इसकी जीवनशैली आधुनिक पक्षियों से मिलती जुलती थी।

एवियन विकास में महत्व: फ़ुज़ियानवेनेटर की खोज पक्षियों के विकास में एक महत्वपूर्ण चरण पर प्रकाश डालती है, जो पंख वाले थेरोपोड डायनासोर से पक्षियों में संक्रमण में अंतर्बोध प्रदान करती है।

भूवैज्ञानिक युग: फ़ुज़ियानवेनेटर प्रोडिगियोसस 148-150 मिलियन वर्ष पहले दक्षिणपूर्वी चीन में जुरासिक काल के दौरान रहते थे।

विशिष्ट विशेषताएं: फ़ुज़ियानवेनेटर का जीवाश्म अपेक्षाकृत पूर्ण है लेकिन इसमें खोपड़ी और पैरों के हिस्से नहीं हैं। इसमें अपनी फीमर से दोगुनी लंबी टिबिया और तीन पंजे वाली उंगलियों के साथ पंख जैसे अग्रपाद दिखाई देते हैं।

बारिंगो झील

स्थान: बारिंगो झील केन्या की रिफ्ट घाटी में स्थित है। यह केन्या की सबसे बड़ी मीठे पानी की झीलों में से एक है।

आकार और गहराई: इसकी लंबाई 11 मील, चौड़ाई 5 मील और औसत गहराई 17 फीट है।

रिफ्ट वैली झीलें: बारिंगो झील रिफ्ट वैली की दो प्रमुख मीठे पानी की झीलों में से एक है, दूसरी नाइवाशा झील है।

नाम की उत्पत्ति: झील का नाम स्थानीय शब्द "मपेरिंगो" से लिया गया है, जिसका अनुवाद "झील" होता है।

ड्रेनेज बेसिन: यह रिफ्ट वैली ड्रेनेज बेसिन के भीतर सात अंतर्देशीय जल निकासी झीलों में से एक है।

जल स्रोत: इसे मोलो, पेरकेर्रा और ओल अरेबेल सहित विभिन्न नदियों द्वारा पानी मिलता है। इसमें एक अलग निर्गम का अभाव है, और माना जाता है कि पानी झील के तलछट के माध्यम से ज्वालामुखीय आधार में रिसता है।

एंटासिड (अम्लनाशक) सिरप

हाल ही में, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने स्वास्थ्य पेशेवरों, उपभोक्ताओं और अन्य लोगों को अपनी गोवा केंद्र में एबॉट इंडिया द्वारा उत्पादित एंटासिड सिरप की स्वैच्छिक वापसी के बारे में सचेत किया है।

एंटासिड सिरप: एंटासिड सिरप/अम्लनाशक (प्रति+अम्ल) एक फार्मास्युटिकल उत्पाद है जिसका उपयोग एसिडिटी, पेट दर्द और गैस से संबंधित लक्षणों से राहत देने के लिए किया जाता है।

सामान्य उपयोग: इसका उपयोग आमतौर पर पेट के अतिरिक्त एसिड को निष्क्रिय करने और अपच के कारण होने वाली परेशानी से राहत देने के लिए किया जाता है।

सामग्री: एंटासिड सिरप में आमतौर पर एल्यूमीनियम हाइड्रॉक्साइड, मैग्नीशियम हाइड्रॉक्साइड या कैल्शियम कार्बोनेट जैसे क्षारीय यौगिक होते हैं, जो गैस्ट्रिक एसिड को बेअसर करते हैं।

ओवर-द-काउंटर (ओटीसी): कई एंटासिड सिरप ओवर-द-काउंटर उपलब्ध हैं, जिससे उपभोक्ता बिना प्रिस्क्रिप्शन के उन्हें खरीद सकते हैं।

अस्थायी राहत: एंटासिड सिरप लक्षणों से अस्थायी राहत प्रदान करते हैं लेकिन एसिड से संबंधित स्थितियों के अंतर्निहित कारणों का समाधान नहीं करते हैं।

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई)

स्थापना: यह 1890 में स्थापित, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत एक सरकारी संगठन है।

अधिदेश: भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) की मुख्य भूमिका भारत की पादप जैव विविधता का सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण और संरक्षण करना है।

वर्गीकरण: यह पौधों एवं पौधों की प्रजातियों का वर्गीकरण और नामकरण करता है।

संरक्षण: बीएसआई लुप्तप्राय पौधों की प्रजातियों और उनके आवासों के संरक्षण के लिए काम करता है।

अनुसंधान: यह अनुसंधान करता है, वैज्ञानिक पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है, और वनस्पति संग्रहालय का रखरखाव करता है।

सहयोग: यह वनस्पति अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग करता है।

वर्तमान सहसंबंध:

- भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण को स्किज़ोस्टैचियम अंडमानिकम की खोज से **पुन: प्रयोज्य बांस के भूसे** के लिए पेटेंट प्राप्त हुआ, जो भारत की पौधों की जैव विविधता में आर्थिक क्षमता की पहचान करने में इसकी भूमिका को प्रदर्शित करता है।
- पेटेंट प्लास्टिक के पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों के साथ संरेखित है और स्थानीय आर्थिक विकास का समर्थन करता है।
- बीएसआई का कार्य जैव विविधता संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग में योगदान देता है।

भारत की एक्ट ईस्ट नीति

भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी क्या है?

भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी एक रणनीतिक और आर्थिक पहल है जिसका उद्देश्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों के साथ सम्बन्धों को बढ़ाना है।

एक्ट ईस्ट" नीति की शुरुआत : 2014 में शुरू की गई, भारत की "एक्ट ईस्ट" नीति एशिया-प्रशांत क्षेत्र के साथ आर्थिक, रणनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित है।

उद्देश्य:

भारत की "एक्ट ईस्ट" नीति के उद्देश्यों में आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करना, भारत के उत्तर पूर्व राज्यों के लिए विकास के अवसर उत्पन्न करना और उत्तर पूर्वी क्षेत्र में कनेक्टिविटी बढ़ाना शामिल है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

	भौगोलिक फोकस: उत्तर पूर्वी क्षेत्र को एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार के रूप में उपयोग करते हुए दक्षिण पूर्व और पूर्वी एशिया पर जोर। **ऐतिहासिक संदर्भ**: यह 1990 के दशक में शुरू की गई भारत की **"पूर्व की ओर देखो"** नीति का ही अगला चरण है जिसका उद्देश्य क्षेत्र के साथ संबंधों को और घनिष्ठ करना है। **आसियान जुड़ाव:** क्षेत्रीय जुड़ाव के प्रति प्रतिबद्धता को उजागर करते हुए भारत 1992 में दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) का एक क्षेत्रीय संवाद भागीदार और 1996 में एक पूर्ण संवाद भागीदार बन गया।
समाचारों में स्थान **क्यूबा**	**क्यूबा: (राजधानी: हवाना)** हाल ही में, क्यूबा के विदेश मंत्रालय ने एक मानव तस्करी गिरोह की सूचना दी है जो रूस की ओर से यूक्रेन में युद्ध में भाग लेने के लिए क्यूबा के लोगों की भर्ती कर रहा है। **पडोसी देश :** पड़ोसी देशों में हैती, जमैका, बहामास द्वीपसमूह और फ्लोरिडा जलडमरूमध्य के पार उत्तर में संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। **भौगोलिक विशेषताओं:** ● क्यूबा कैरेबियन सागर का सबसे बड़ा द्वीप है। ● यह एंटिलीज़ (वेस्टइंडीज) द्वीप श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ● यह कर्क रेखा के ठीक दक्षिण में, अटलांटिक महासागर, मैक्सिको की खाड़ी और कैरेबियन सागर के चौराहे पर स्थित है। **प्रमुख नदी:** काउटो. **सबसे ऊँची चोटी**: टरक्विनो चोटी।

POINTS TO PONDER

- **सोने की आपूर्ति के लिए प्रसिद्ध अफ्रीका में पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश का मूल और वर्तमान नाम क्या है?** - मूल नाम: गोल्ड कोस्ट; वर्तमान नाम: घाना
- **उस देश का वर्तमान नाम क्या है जिसे कभी अपर वोल्टा के नाम से जाना जाता था?** – बुर्किना फासो
- **दक्षिण अमेरिका के सबसे छोटे देश का नाम बताइए जिसे कभी डच गुयाना कहा जाता था।** - सूरीनाम
- **भारत के किस पड़ोसी को कभी सेरेन्डिब के नाम से जाना जाता था?** – श्रीलंका
- **फारस की खाड़ी के दक्षिण में जनजातीय संघों के समूह का वर्तमान नाम क्या है, जिसे पहले 'ट्रुशियल' के नाम से जाना जाता था राज्यों'?** - संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)